Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

**Paper Code**
**MD-204**

# पतंजलि विश्वविद्यालय

# University of Patanjali

**Examination August – 2021**

**M.A. Darshan, Semester : Second**
**Darshan ; Paper : Fourth**

## पाश्चात्य दर्शन

**Time: 3 Hours** **Max. Marks: 70**

---

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### खण्ड-क
### (दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. पाश्चात्य दर्शन के इतिहास पर विहंगम दृष्टिपूर्वक निबन्ध लिखें।
2. अन्य दर्शनों से कन्फ्यूसियस का दार्शनिक चिन्तन कैसे भिन्न है? इसकी विस्तृत समीक्षा करें।
3. ग्रीक दर्शन का सम्पूर्ण परिचय दें।
4. अनुभववादी दार्शनिकों का दर्शन क्या है तथा इसके प्रमुख चिन्तकों का विवरण दें।
5. स्पिनोजा और लाइबनित्ज किस विचार का प्रतिनिधित्व करते हैं? दोनों के दर्शन का तुलनात्मक वर्णन करें।

### खण्ड-ख
### (लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. पाश्चात्य दर्शन के इतिहास के प्रमुख कालखण्ड को शीर्षक दें व उनके बारे में लघु परिचय अवश्य दें।
2. "सदगुण ही ज्ञान है" इस वाक्य की व्याख्या करें।
3. प्लेटो व अरस्तु के द्वारा स्थापित संस्था का नाम और उनकी पुस्तकों का नामोल्लेख करें।
4. जान लॉक ने दर्शन के क्षेत्र में क्या सिद्धान्त प्रतिपादित किया विवरण दें।
5. प्रत्यय का सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं?
6. स्पिनोजा के जीवन में दर्शन पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।
7. चिदणुओं की व्याख्या किस दार्शनिक ने की थी तथा इसके माध्यम से जगत की व्यवस्था पर प्रकाश डालें।

----------x----------